Bibliography

:: सन्दर्भिका ::

:: सन्दर्भिका ::

परिशिष्ट : एक : उपजीव्य ग्रन्थों की सूची :

{1} ईशावास्योपनिषद : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : कोरेगांव :पूना

{2} एस धम्मो सनंतनो : रजनीश फाउण्डेशन प्रकाशन : पूना

{3} ॐ मणि पद्मे हुम् : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना

{4} कन थोरे कांकर घने : रजनीश फाउण्डेशन प्रकाशन : पूना

{5} कृष्ण-स्मृति : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना

{6} गूंगे केरी सरकरा : रजनीश फाउण्डेशन : पूना

{7} घाट भुलाना बाट बिनु : प्रकाशक : मोतीलाल बनारसीदास : दिल्ली ,पटना, वाराणसी

{8} चल हंसा उस देस : ताओ पब्लिशिंग प्रा. लि. कोरेगांव , पूना

{9} चरैवेति-चरैवेति : व्हाइट स्वान पब्लिकेशन : कोरेगांव : पूना

{10} जिन खोजा तिन पाइयां : आनंद शिला प्रकाशन : बम्बई

{11} तत्वमसि : रजनीश फाउण्डेशन : पूना

{12} ध्यानयोग : रेबल पब्लिशिंग हाउस : पूना

{13} [illegible] पतंजलि योग-सूत्र : द रिबेल प्रकाशन : पूना

{14} बिन घन परत फुहार : ताओ पब्लिशिंग हाउस : पूना

{15} "महावीर : परिचय और वाणी " : मोतीलाल बनारसीदास

{16} मुल्ला नसरूद्दीन : जीवन जागृति आंदोलन प्रकाशन : मुंबई

{17} मैं धार्मिकता सिखाता हूं , धर्म नहीं : द रिबेल पब्लिशिंग :पूना

{18} समाजवाद से सावधान : जीवन जागृति केन्द्र : मुंबई

{19} समुंद समाना बूंद में : मोतीलाल बनारसीदास

{20} स्वर्ण पाखी था जो कभी और अब है भिखारी जगत का : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना

{21} संभोग से समाधि की ओर : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना

{22} साधना-पथ : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना

{23} सुनो भाई साधो : रजनीश फाउण्डेशन : पूना

{24} शिक्षा में क्रांति : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना

परिशिष्ट : दो : सहायक ग्रन्थों की सूची : हिन्दी :

§1§ अथातो भक्ति जिज्ञासा :xaxx ओशो : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना

§2§ आचार्य रजनीश : समन्वय, विश्लेषण और संसिद्धि : डा. रामचन्द्र प्रसाद : प्रका. मोतीलाल बनारसीदास : दिल्ली, वाराणसी, पटना

§3§ आधुनिक सन्दर्भ और धर्म : डा. आर.जी. शर्मा : विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

§4§ आधुनिक हिन्दी लेखिकाओं के नगरीय परिवेश के उपन्यास : डा. पारुकांत देसाई : चिंतन प्रकाशन : कानपुर

§5§ "ओशो के संग : कुछ अनमोल क्षण " : स्वामी अगेह भारती : डायमण्ड पाकेट बुक्स : दिल्ली ।

§6§ ओशो की मधुशाला में बच्चन : स्वामी अगेह भारती : डायमण्ड पाकेट बुक्स : नई दिल्ली ।

§7§ " ओशो एक : स्वाद अनेक " : स्वामी अगेह भारती : डायमण्ड पोकेट बुक्स : नयी दिल्ली ।

§8§ ओशोयुग : स्वामी दयाल भारती : प्रका. उपनिषद् ।

§9§ ओशो §गुजराती§ : सुरेश दलाल : इमेज पब्लिकेशन : मुंबई ।

§10§ क्या तुम्हीं हो बहीx वही ? : ओशो-समर्पित काव्यगीत : मा आनंद सीता : व्हाइट स्वान पब्लिकेशन : पूना ।

§11§ क्रान्ति-बीज : ओशो : पत्र-संकलन : ओशो कम्यून इण्टरनेशनल : 17 कोरेगांव पार्क : पूना ।

§12§ कर्मभूमिः उपन्यास : प्रेमचन्द : सरस्वती प्रेस : दिल्ली ।

§13§ काव्य , कला और अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद : भारती भण्डार : इलाहाबाद ।

§14§ चिन्तामणि भाग-1 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : नागरी प्रचारिणी सभा : बनारस ।

§15§ चिन्तनिका : डा. पारुकान्त देसाई : सूर्य-भारती प्रकाशन :

नयी सड़क : दिल्ली ।

§16§ डा. अम्बेडकर और ओशो : अधिवक्ता संदेश मालेकर : व्हीजन प्रकाशन : नागपुर ।

§17§ तब चार्वाक बोले : काव्य : मदनमोहन तरुण : विकास पेपर बेक्स : दिल्ली ।

§18§ दिया अमृत पाया ज़हर : सु एपलटन : डायमण्ड पाकेट बुक्स : नयी दिल्ली ।

§19§ दिशान्तर : सं. डा. विश्वनाथ तिवारी : अनुराग प्रकाशन वाराणसी ।

§20§ निबंध और निबंध : डा. विश्वनाथ प्रसाद : अनुराग प्रकाशन : वाराणसी ।

§21§ पश्चिमनुं साहित्य विवेचन : गुजराती: डा. शिरीष पंचाल : ग्रन्थ निर्माण बोर्ड : अहमदाबाद ।

§22§ पाश्चात्य साहित्य चिन्तन : डा. निर्मला जैन : राजकमल प्रकाशन : दिल्ली ।

§23§ परिधि पर स्त्री : डा . मृणाल पाण्डे : राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली ।

§24§ बिजली के फूल : काव्य-संग्रह : डा. पारुकांत देसाई : रोमा प्रकाशन : बड़ौदा ।

§25§ "भगवान श्री रजनीश : ईसा मसीह के पश्चात् सर्वाधिक विद्रोही व्यक्ति : सु एपलटन : द रिबेल पब्लिशिंग हाउस : पूना ।

§26§ मानसमाला : डा. पारुकांत देसाई : कृष्णा प्रकाशन : जयपुर ।

§27§ मिलन के क्षण चार : डा. पारुकांत देसाई : रोमा प्रकाशन ।

§28§ वात्स्यायन कामसूत्र : चौखम्बा सीरिज : वाराणसी ।

§29§ स्वागतम् : स्वामीयोग प्रीतम : अर्चना प्रकाशन : अजमेर ।

§30§ साक्षीभाव : गुज: गज़ल संग्रह : हरेश "तथागत" : एम-716 , गुजरात हाउसिंग बोर्ड : दूधसागर मार्ग / राजकोट ।

§31§ समीक्षायण : डा. पारुकांत देसाई : सूर्य-भारती प्रकाशन : दिल्ली ।

§32§ साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास : डा. पारूकांत देसाई : सूर्य-भारती प्रकाशन : दिल्ली ।

§33§ संस्कृति के चार अध्याय : डा. रामधारीसिंह दिनकर : लोक-भारती प्रकाशन : इलाहाबाद ।

§34§ साहित्य का श्रेय और प्रेय : जैनेन्द्र : पूर्वोदय प्रकाशन : दिल्ली ।

§35§ सूखे सेमल के वृन्तों पर : काव्य : डा. पारूकांत देसाई ।

§36§ समकालीन हिन्दी गज़लें : सं. डा. जयसिंह "व्यथित" : गुजरात हिन्दी विद्यापीठ प्रकाशन : अहमदाबाद ।

§37§ हिन्दी गजल उद्भव और विकास : डा. रोहिताश्व : चिंतन प्रकाशन : कानपुर ।

§38§ हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त सुगम इतिहास : डा. पारूकांत देसाई : कृष्णा प्रकाशन : जयपुर ।

§39§ हिन्दी साहित्यकोश : भाग-1 : सं. डा. धीरेन्द्र वर्मा : ज्ञानमंडल लिमिटेड : वाराणसी ।

§40§ हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय : राधाकृष्ण प्रकाशन : दिल्ली ।

परिशिष्ट : तीन : सहायक-ग्रन्थ-सूची : अंग्रेजी

§1§ ए न्यू विज़न आफ विमेन्स लिबरेशन : ओशो : हिन्द पोकेट बुक्स : जी.टी.रोड , दिल्ली ।

§2§ ए पेसेज टु अमेरिका : मेक्स फ्रीयर : लोन्ग्मेन : लंडन ।

§3§ एन ए.बी.सेड आफ लव : इन्गे एण्ड स्टेन हेगर : नेविल स्पीअरमेन: लंडन ।

§4§ इरोटिक आर्ट आफ इंडिया: फिलिप रासन : गैलरी बुक्स : न्यूयोर्क ।

§5§ डान्स योर वे टु गोड : ओशो : हिन्द पोकेट बुक्स : दिल्ली ।

§6§ इंग्लिश टेक्स्ट बुक : स्टान्डर्ड - 10 : गुजरात स्टेट बार्ड आफ स्कूल टेक्स्ट बुक : गांधीनगर ।

§7§ आई टीच रीलिजियसनेस नॉट रीलिजिअन : ओशो : हिन्द पोकेट बुक्स : दिल्ली ।

§8§ "आई डेर : किरन बेदी " : ए बायोग्राफी : परमेश डांगवाल : युबीएस पब्लिशर्स डिस्ट्रिब्युटर्स लि. दिल्ली, बोम्बे, बेंगलोर, मद्रास, कलकत्ता, पटना, कानपुर, लंडन ।

§9§ लाइफ्स मिस्टरीज़ : एन इनट्रडक्शन टु द टीचिंग आफ ओशो : पेनग्विन बुक्स : न्यू दिल्ली ।

§10§ मोडर्न क्रीटीसीजम एण्ड थियरी : एडिटेड बाय : डेविड लोज : लोन्गमेन : लंडन एण्ड न्यूयोर्क ।

§11§ मोर गोल्ड नगेट्स : ओशो ।

§12§ वन हन्ड्रेड टेल्स फार टेन थाउजण्ड बुद्धाज : मा धरम ज्योति : पब्लिशर : श्यामसुंदर जयसिंह : नवयुग मेनशन : नाशिर भरूचा मार्ग : बोम्बे-7 ।

§13§ सेक्स : ए युजर्स मेन्युअल : एन्न क्रेमर , डेविड लेम्बर्ट : द डाया-ग्राम ग्रुप ।

§14§ सेवन गिनट्स : इरविंग वालेस : पेन्थर : लंडन ।

§15§ द वे आफ द हार्ट : प्रोफेसर पालहिलास ।

§16§ द लुक एण्ड आस्ट्रेलियन : रोनाल्ड कान्वे ।

§17§ द मास्टर आफ द इरेशनल : रिनजाई ।

§18§ द सेक्स लाईफ फाईल : एस.जे. तुफिल : ग्रेनाडा पेपरबेक्स :लेडन ।

§19§ द हु आफ अस : आल्बर्ट मोरावियो : पेन्थर : लंडन

परिशिष्ट : चार : ओशो-साहित्य :

उपनिषदों पर ओशो-साहित्य :

§1§ सर्वसार उपनिषद

§2§ कैवल्य उपनिषद

§3§ अध्यात्म उपनिषद

§4§ कठोपनिषद

§5§ ईशावास्य उपनिषद

§6§ निर्वाण उपनिषद

§7§ आत्म-पूजा उपनिषद

§8§ केनोपनिषद

§9§ मेरा स्वर्णिम भारत § विविध उपनिषद-सूत्र §

कृष्ण पर ओशो-साहित्य :

§1§ गीता-दर्शन § आठ भागों में §

§2§ कृष्ण-स्मृति

महावीर पर ओशो-साहित्य :

§1§ महावीर-वाणी § दो भाग §

§2§ महावीर-वाणी §पुस्तिका§

§3§ जिन-सूत्र § दो भागों में §

§4§ महावीर या महाविनाश

§5§ महावीर : मेरी दृष्टि में

§6§ ज्यों की त्यों धरि दीन्हीं चदरिया

बुद्ध और लाओत्से पर ओशो-साहित्य :

§1§ एस धम्मो सनंतनो § बारह भागों में §

§2§ ताओ उपनिषद § छः भाग §

अष्टावक्र और शांडिल्य पर ओशो साहित्य :

§1§ महागीता § छः भाग §

§2§ अथातो भक्ति जिज्ञासा § दो भाग §

हिन्दी के भक्त कवियों पर ओशो-साहित्य :

§1§ पद घुंघरू बांध §मीरा§ §2§ झुक आई बदरिया सावनकी

कबीर :

§1§ सुनो भई साधो
§2§ कहै कबीर दीवाना
§3§ कहै कबीर मैं पूरा पाया
§4§ मगन भया रसि लागा
§5§ घूंघट के पट खोल
§6§ न कानों सुना न आंखों देखा
§कबीर व फरीद§

दादू :

§1§ सब सयाने एक मत
§2§ पिव पिव लागी प्यास

जगजीवनदास:

§1§ नाम सुमरि मन बावरे
§2§ अरी, मैं तो नाम के रंग छकी

पलटूदास :

§1§ अजहूं चेत गंवार
§2§ सपना यह संसार
§3§ काहे होत अधीर

सुंदरदास :

§1§ हरि बोलौ हरि बोल
§2§ ज्योति से ज्योति जले

धरमदास :

§1§ जल पनिहार धरे सिर गागर
§2§ का सोवै दिन रैन

मलूकदास

§1§ कन थोरे कांकर घने
§2§ रामदुवारे जो मरे

दरिया :

§1§ कानों सुनी सो झूठ सब
§2§अमी झरत बिगसत कंवल

जैन , सूफी और उपनिषद की कहानियां :

§1§ बिन बाती बिन तेल
§2§ सहज समाधि भली
§3§ दीया तले अंधेरा

~~अन्य रहस्यदर्शियों पर ओशो साहित्य :~~

अन्य रहस्यदर्शियों पर ओशो-साहित्य :

§1§ भक्ति-सूत्र §नारद§
§2§ शिव-सूत्र §शिव§
§3§ भजगोविन्दम् मूढ़मते § आदि शंकराचार्य §
§4§ एक ओंकार सतनाम § नानक §
§5§ जगत तरैया भोर की § दयाबाई §
§6§ बिन घन परत फुहार §सहजोबाई§
§7§ नहीं साँझ नहीं भोर §चरणदास§
§8§ संतो, मगन भया मन मेरा §रज्जब§
§9§ कहै वाजिद पुकार §वाजिद§
§10§ मरौ हे जोगी मरौ § गोरख§
§11§सहज-योग § सरहपा-तिलोपा§
§12§ बिरहिनी मंदिर दियना बार § यारी§
§13§ दरिया कहै सब्द निरबाना § दरियादास बिहारवाले§
§14§ प्रेम-रंग रस ओढ़ चदरिया § दूलन §
§15§ हंसा तो मोती चुगै §लाल§
§16§ गुरु परताप साधु की संगति §भीखा§
§17§ मन ही पूजा मन ही धूप § रैदास§
§18§ झरत दसहुं दिस मोती § गुलाल§
§19§ जरथुस्त्र : नाचता-गाता मसीहा §जरथुस्त्र§

प्रश्नोत्तर रूप में ओशो-साहित्य :

§1§ नहिं राम बिन ठांव
§2§ प्रेम-पंथ ऐसो कठिन
§3§ उत्सव आमार जाति , आनंद आमार गोत्र
§4§ मृत्योर्मा अमृतं गमय
§5§ प्रीतम छवि नैनन बसी
§6§ रहिमन धागा प्रेम का

§7§ उड़ियो पंख पसार
§8§ सुमिरन मेरा हरि करै
§9§ पिय को खोजन मैं चली
§10§ साहिब मिल साहेब भये
§11§ जो बोलैं तो हरिकथा
§12§ बहुरि न ऐसा दांव
§13§ ज्यूं था त्यूं ठहराया
§14§ ज्यू मछली बिन नीर
§15§ दीपक बारा नाम का
§16§ अनहद में बिसराम
§17§ लगन मुहूरत झूठ सब
§18§ सहज आसिकी नाहिं
§19§ पीवत रामरस लगी खुमारी
§20§ रामनाम जान्यौ नहीं
§21§ सांच सांच सो सांच
§22§ आपुई गई हिराय
§23§ बहुतेरे हैं घाट
§24§ कोंपलें फिर फूट आईं
§25§ फिर पत्तों की पाजेब बजी
§26§ फिर अमरित की बूंद पड़ी
§27§ चेति सकै तो चेति
§28§ क्या सोवै तू बावरी
§29§ एक एक कदम
§30§ चल हंसा उस देस
§31§ कहा कहूं उस देस की
§32§ पंथ प्रेम को अटपटो
§33§ मूलभूत मानवीय अधिकार
§34§ नया मनुष्य : भविष्य की एकमात्र आशा
§35§ सत्यम् शिवम् सुंदरम्
§36§ रसो वै सः
§37§ सच्चिदानंद
§38§ पंडित-पुरोहित और राजनेता : मानव आत्मा के शोषक
§39§ ॐ मणि पद्मे हुम्
§40§ ॐ शांतिः शांतिः शांतिः
§41§ हरि ॐ तत्सत्
§42§ एक महान चुनौतीः मनुष्य का स्वर्णिम भविष्य
§43§ मैं धार्मिकता सिखाता हूं धर्म नहीं

§44§× ओशो का तंत्र-साहित्य :

§1§ संभोग से समाधि की ओर
§2§ तंत्र-सूत्र § पांच भाग §

ओशो के पत्रों के संकलन :

§1§ क्रान्ति-बीज
§2§ पथ के प्रदीप

§3§ अन्तर्वीणा §4§ प्रेम की झील में अनुग्रह के फूल

<u>ओशो की बोधकथाओं का संकलन :</u>

§1§ मिट्टी के दीये

<u>ध्यान, साधना योग आदि से सम्बद्ध ओशो-साहित्य :</u>

§1§ ध्यान योग : प्रथम और अंतिम मुक्ति
§2§ रजनीश ध्यानयोग
§3§ हसिबा , खेलिबा , धरिबा ध्यानम्
§4§ नेति-नेति
§5§ मैं कहता आंखन देखी
§6§ पतंजलि : योग-सूत्र § दो भाग §

<u>साधना-शिविर से सम्बद्ध ओशो-साहित्य :</u>

§1§ साधना-पथ
§2§ ध्यान-सूत्र
§3§ जीवन ही है प्रभु
§4§ माटी कहै कुम्हार सूं
§5§ मैं मृत्यु सिखाता हूं
§6§ जिन खोजा तिन पाइयां
§7§ समाधि के सप्त द्वार §ब्लावट्स्की §
§8§ साधना-सूत्र § मेबिल कालिन्स §

<u>राष्ट्रीय और सामाजिक समस्याओं से सम्बद्ध ओशो-साहित्य :</u>

§1§ देख कबीरा रोया
§2§ स्वर्ण पाखी था जो कभी और अब है भिखारी जगत का
§3§ शिक्षा में क्रांति
§4§ नये समाज की खोज

ओशो से सम्बद्ध साहित्य :

§1§ भगवान श्री रजनीश : ईसा मसीह के पश्चात् सर्वाधिक विद्रोही व्यक्ति : सू एपलटन ।

§2§ आचार्य रजनीश : समन्वय , विश्लेषण और संसिद्धि : डा. रामचन्द्र प्रसाद ।

§3§ ओशो के संग कुछ अनमोल क्षण : स्वामी अगेह भारती

§4§ ओशो एक : स्वाद अनेक : स्वामी अगेह भारती ।

§5§ ओशोयुग : स्वामी दयाल भारती

§6§ ओशो : सुरेश दलाल ।

इनके अतिरिक्त ओशो टाइम्स के वार्षिक अंक

ओशो साहित्य के लिए सम्पर्क-सूत्र :

ओशो कम्यून इण्टरनेशनल , 17 कोरेगांव पार्क : पूना - 411001

परिशिष्ट : पांच : पत्र-पत्रिकाएं :

§1§ इण्डियन एक्सप्रेस — अंग्रेजी दैनिक §2§ एतद - गुजराती त्रैमासिक §3§ ओशो टाइम्स — हिन्दी §4§ ओशो टाइम्स — अंग्रेजी §5§ गुजरात समाचार - गुज. दैनिक §6§ टाइम्स आफ इण्डिया - अंग्रेजी दैनिक §7§ दैनिक हिन्दुस्तान §8§ प्रकर §9§ धबक §10§ धर्मयुग §11§ नवभारत टाइम्स — हिन्दी दैनिक §12§ भाषा-सेतु §13§ युगान्द §14§ रैन-बसेरा §15§ संदेश - गुज. दैनिक §16§ हंस §17§ रजनीश टाइम्स §18§ वीणा ।